मालिक को बचाने बाघ से भिड़ गया पालतू जर्मन शेफर्ड, दे दी अपनी जान

उमरिया, देशबन्धु। उमरिया जिले के विश्वविख्यात बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व से लगे भरहुत गांव में एक पालतू कुत्ते ने स्वामिभक्ति और बहादुरी की अनोखी मिसाल पेश की।

भरहुत गांव का युवक शिवम बड़गैया अपने पालतू जर्मन शेफर्ड कुत्ते के साथ घर के बाहर टहल रहा था, तभी अचानक जंगल से एक बाघ गांव में घुस आया और शिवम पर हमला करने के लिए झपटा। हालात को भांपते हुए जर्मन शेफर्ड ने अपनी जान की परवाह किए बिना बाघ का सामना किया। वह जोर-जोर से भौंकने लगा, जिससे बाघ कुछ देर के लिए स्तब्ध हो गया। हालांकि, थोड़ी देर बाद बाघ ने युवक को छोड़कर कुत्ते की ओर

दौड़ लगा दी। कुत्ते ने बहादुरी दिखाते हुए बाघ से लड़ने की पूरी कोशिश की, लेकिन बाघ ने उसे जबड़े में दबाकर गांव के बाहर तक घसीट लिया।

कुत्ते की हिम्मत और संघर्ष को देखते हुए बाघ ने थक-हारकर उसे छोड़ दिया और जंगल की ओर लौट गया। इस बीच, कुत्ता गंभीर रूप से घायल हो गया था। मालिक शिवम तुरंत उसे जिला मुख्यालय लेकर पहुंचे, जहां पशु चिकित्सक ने उसका इलाज किया। हालांकि, गहरे जख्मों के कारण कुछ घंटों बाद कुत्ते ने दम तोड़ दिया।इस घटना ने पूरे गांव को झकझोर कर रख दिया है। जिसने भी इस स्वामिभक्त कुत्ते की बहादुरी की कहानी सुनी, उसने उसकी दिल से सराहना की।

गांव वालों ने कहना है कि इस वफादार कुत्ते ने अपनी जान की परवाह किए बिना मालिक की रक्षा कर यह साबित कर दिया कि इंसान के सच्चे साथी वफादार जानवर ही होते हैं। हम आपको बता दें कि उमरिया जिले के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में इन दिनों बाघों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिसके चलते बाघ अब जंगल से रिहायशी इलाकों की ओर रुख कर रहे हैं। इन घटनाओं के वीडियो भी आए दिन सोशल मीडिया पर वायरल होते रहते हैं।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में गौर बाड़े पर बाघ की दस्तक

उमरिया, देशबन्धु। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में गौर संरक्षण प्रोजेक्ट को लेकर चिंता बढ़ गई है। शुक्रवार रात करीब 11 बजे एक नर बाघ कल्लवाह परिक्षेत्र में स्थित गौर बाड़े के पास पहुंच गया।

सतपुड़ा टाइगर रिजर्व से लाए गए 22 गौरों को इसी बाड़े में रखा गया है। बाघ की उपस्थिति अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर बाघ को वहां से खदेड़ा। गौर बाड़े के चारों ओर सोलर फेंसिंग लगी होने के कारण बाघ अंदर प्रवेश नहीं कर सका।

बाड़े में रखे सभी गौर सुरक्षित हैं। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने गौरों की सुरक्षा के लिए कल्लवाह के करकचहा जंगल में 20 हेक्टेयर का विशेष बाड़ा तैयार किया है। बीटीआर की टीम लगातार बाड़े की निगरानी कर रही है।

सिंगरौली में नर्स ने आग लगाकर की आत्महत्या

सिंगरौली, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के सिंगरौली जिले एक 22 साल की नर्स ने घर के एक कमरे में खुद को आग लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। धुआं उठता देख पास में मौजूद युवती के माता-पिता मौके पर पहुंचे और दरवाजा तोड़कर बेटी को बचाने की कोशिश की, लेकिन तब तक देर हो चुकी थी। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है।

जानकारी के अनुसार जिले के विन्ध्यनगर थाना क्षेत्र के जयंत विन्ध्यनगर मार्ग में स्थित अभेद आश्रम के पास रहने वाली 22 वर्षीय पूजा कुशवाहा जो एनसीएल के नेहरू अस्पताल जयंत में नर्स के पद पर कार्यरत थी। शनिवार को उसने अज्ञात कारणों से अपने ही रूम में आग लागकर खुद को आग के हवाले कर दिया। जैसे ही घर से धुआं निकलने लगा, घर के पास के खेत मे काम कर रहे उसके माता पिता पहुंचे और दरवाजा तोड़कर देखा तो वह भी दंग गए। आग में जलकर पूरी से तरह से खाक हो चुकी अपनी बेटी को देखकर सहम गए। घटना की सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। नर्स ने ऐसा आत्मघाती कदम क्यों उठाया इसे लेकर पुलिस हर एंगल से जांच कर रही है। फिलहाल इस पूरे मामले को लेकर एक तरफ जहां हड़कंप की स्तिथि बनी हुई है। वहीं दूसरी ओर पुलिस मामले की हर एक पहलू को समझकर जांच करने की बात कर रही है। फिलहाल आत्महत्या नर्स ने क्यों इसकी वजह का पता नही चल पा रहा है।

सार-समाचार

लोक अदालत में विद्युत अनियमितताओं के प्रकरणों में मिलेगा समझौते का अवसर

पन्ना, देशबन्धु। आगामी 8 मार्च को आयोजित होने वाली नेशनल लोक अदालत में विद्युत उपभोक्ताओं को बिजली अनियमितताओं के प्रकरणों में समझौते का अवसर मिलेगा, जिसके तहत आंकलित सिविल दायित्व की 10 लाख रूपए तक की राशि के प्रकरणों में 20 एवं 30 प्रतिशत तथा ब्याज राशि में शत प्रतिशत छूट का प्रावधान है।

म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कम्पनी पन्ना संभाग के कार्यपालन यंत्री ने जानकारी देते हुए बताया कि पन्ना जिले के समस्त निम्नदाब विद्युत उपभोक्ता, जिनके विरूद्ध विद्युत अधिनियम 2003 की धारा 135 के तहत विशेष न्यायालय पन्ना एवं पवई में लिटिगेशन स्तर पर प्रकरण लंबित हैं, ऐसे समस्त घरेलू, कृषि, पांच किलोवॉट भार तक के गैर घरेलू और दस अश्व शक्ति भार तक के औद्योगिक उपभोक्ताओं को लंबित प्रकरणों की राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर सिविल दायित्व की दस लाख रूपए राशि तक के प्रकरणों में 20 प्रतिशत और ब्याज की राशि में शत प्रतिशत छूट मिलेगी। इसी तरह न्यायालय से बाहर प्रि-लिटिगेशन स्तर पर लंबित प्रकरणों में राशि का एकमुश्त भुगतान करने पर आंकलित सिविल दायित्व की दस लाख रूपए राशि तक के प्रकरणों में 30 प्रतिशत और ब्याज राशि में शत प्रतिशत छूट प्रदान की जाएगी।

सामूहिक विवाह कार्यक्रम आज

पन्ना, देशबन्धु। जनपद पंचायत गुनौर अंतर्गत ग्राम हिनौती बेली के मढ़ेश्वर मंदिर में रविवार, 2 मार्च को मुख्यमंत्री कन्या विवाह एवं निकाह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। सामूहिक विवाह के लिए 300 से अधिक आवेदकों द्वारा पंजीयन कराया गया है। योजना अंतर्गत नवदंपत्तियों को 49 हजार रूपए राशि का चेक प्रदान किया जाता है। साथ ही स्थानीय निकाय को 6 हजार रूपए की राशि भी आयोजन की आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए प्रदान किए जाने का प्रावधान है। सामूहिक विवाह कार्यक्रम में गुनौर विधायक डॉ. राजेश वर्मा सहित जिला पंचायत अध्यक्ष, उपाध्यक्ष एवं स्थानीय जनप्रतिनिधि भी शामिल होंगे।

एनएचएम की नवीन संविदा नीति-2025

वेतनवृद्धि, मातृत्व और पितृत्व अवकाश, सेवा सुरक्षा के प्रावधान नवीन नीति में शामिल

पन्ना, देशबन्धु। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की नवीन संविदा कर्मचारी नीति-2025 का निर्धारण किया गया है। नवीन नीति से स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में स्थायित्व आएगा और कर्मचारियों को बेहतर कार्य वातावरण मिलेगा। यह निर्णय स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुचारु बनाने में भी सहायक होगा। एनएचएम की नवीन नीति में संविदा कर्मचारियों को कई महत्वपूर्ण सुविधाएँ प्रदान की गई हैं। अब कर्मचारियों को हर वर्ष अनुबंध के नवीनीकरण की आवश्यकता नहीं होगी। कर्मचारियों के कार्य प्रदर्शन के मूल्यांकन के लिए एक पारदर्शी और समयबद्ध वार्षिक सेवा आधारित रिपोर्टिंग प्रणाली लागू की गई है। कर्मचारियों की शिकायतों के त्वरित और प्रभावी निवारण के लिए एक अपीलीय अनुक्रम स्थापित किया गया है। संविदा कर्मचारियों की सेवा समाप्ति का अधिकार केवल मिशन संचालक एनएचएम के पास होगा और यह केवल प्राकृतिक न्याय के सिद्धांतों का पालन करने के बाद ही किया जा सकेगा।

नवीन नीति में वेतनवृद्धि को भी एक सुव्यवस्थित ढांचे में लाया गया है। अब उपभोक्ता मूल्य सूचकांक के आधार पर नियमित वेतनवृद्धि का लाभ मिलेगा। गर्भवती महिलाओं को नियुक्ति के समय प्रसव के छह सप्ताह बाद (सातवें सप्ताह से) कार्यभार ग्रहण करने की अनुमति दी जाएगी, जिससे वे मातृत्व के शुरुआती दिनों में समुचित देखभाल प्राप्त कर सकेंगी। इसी तरह मातृत्व अवकाश और पितृत्व अवकाश के प्रावधान भी संविदा कर्मचारियों के लिए लागू किए गए हैं।

अनुकंपा नियुक्ति और एक्स-ग्रेशिया के प्रावधान

स्वास्थ्य सेवाओं की सुचारु व्यवस्था के लिए संविदा कर्मचारियों को अंतर जिला स्थानांतरण की सुविधा प्रदान की गई है। जिला स्वास्थ्य समिति को जिले में स्थानांतरण का अधिकार दिया गया है। इसके अलावा कर्मचारियों की शिकायतों के समाधान के लिए एक स्पष्ट शिकायत निवारण अनुक्रम निर्धारित किया गया है। आकस्मिक परिस्थितियों में परिवार को सहायता प्रदान करने के लिए अनुकंपा नियुक्ति और एक्स-ग्रेशिया सहायता राशि के प्रावधान किए गए हैं। सामान्य प्रशासन विभाग के नियमों के अनुसार विशेष अवकाश की सुविधा भी संविदा कर्मचारियों को प्रदान की जाएगी।

नवीन नीति में कर्मचारियों के हितों की रक्षा के लिए यह भी प्रावधान किया गया है कि यदि किसी कर्मचारी के खिलाफ जांच चल रही हो, तो उसे 50 प्रतिशत वेतन प्रदान किया जाएगा। स्थानांतरण प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए ऑनलाइन ट्रांसफर मैनेजमेंट सिस्टम लागू किया गया है। साथ ही वेतन असमानता की समस्या को दूर करते हुए सभी संविदा कर्मचारियों के लिए वेतन समानता सुनिश्चित की गई है।

शहडोल के बटुरा में 50 से अधिक खदानें बंद, जेसीबी से भरवाई मिट्टी

अवैध कोयला निकालने पर कार्रवाई

शहडोल, देशबन्धु। जिले के अमलाई थाना क्षेत्र के बटुरा में जिला प्रशासन ने अवैध कोयला खदानों के खिलाफ कार्रवाई की है। प्रशासन ने शनिवार को भारी पुलिस बल की मौजूदगी में जेसीबी से इन खदानों को मिट्टी से भरवाकर बंद करवा दिया है। दोपहर से प्रशासन किया कार्रवाई लगातार.खनन माफिया सोन नदी के किनारे फिर से काले कवैध खदान संचालित कर ली थी। यहां से प्रतिदिन हजारों टन कोयला अवैध तरीके से निकाला जा रहा था। जिस पर यह कार्रवाई की गई है। हादसे के बाद कार्रवाई यह कार्रवाई हाल ही में हुई एक दुर्घटना के बाद की गई है, जिसमें अवैध कोयला खनन के दौरान एक दंपती की मौत हो गई थी। इस क्षेत्र में कोयला माफिया गुफानुमा खदानों से जान जोखिम में डालकर अवैध खनन और परिवहन करते थे।कार्रवाई के दौरान बड़ी संख्या में पुलिस बल मौजूद रहा। 50 से अधिक खदानें की बंद- माइनिंग विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने पचास से अधिक ऐसी अवैध खदानों को चिह्नित किया। सभी खदानों को जेसीबी की मदद से मिट्टी डालकर बंद किया गया। प्रशासन की यह कार्रवाई अवैध खनन पर रोक लगाने और स्थानीय लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए की गई है।

मेडिकल कॉलेज में नवजात बच्चों के इलाज में लापरवाही का आरोप, परिजनों ने किया हंगामा और तोड़फोड़

शहडोल, देशबन्धु। जिले की मेडिकल कॉलेज में नवजातों के उपचार को लेकर लापरवाही के दो मामले सामने आए हैं, जिसको लेकर परिजनों ने हंगामा किया और तोड़फोड़ कर दी। वहीं दोनों मामलों पर मेडिकल कॉलेज प्रबंधन ने पुलिस से इसकी शिकायत कर कार्रवाई की मांग की है।बताया गया कि बीती रात चार दिन के नवजात की मौत के बाद परिजनों ने हंगामा करते हुए तोड़फोड़ कर दी। वहीं, दूसरे दिन भी नवजात के उपचार में कोताही की बात को लेकर परिजनों ने हंगामा किया। दोनों ही मामले की शिकायत सोहागपुर थाने तक पहुंची है। पुलिस मामले की जांच में जुटी है।

जानकारी के अनुसार अमलाई क्षेत्र के झगरहा गांव से केवट परिवार द्वारा चार दिन के नवजात को लाकर 24 फरवरी को मेडिकल कॉलेज के एसएनसीयू में भर्ती कराया गया था। उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। बच्चे को वाईएप में रखा गया था। हालत में सुधार नहीं होने पर रात वेंटिलेटर में रखा गया, लेकिन रात 10 बजे उसकी मौत हो गई। इसके बाद परिजनों ने यह आरोप लगाते हुए हंगामा किया कि उपचार में लापरवाही बरती गई। परिजनों के साथ

कई लोगों ने वार्ड के शीशे तोड़ दिए और ड्यूटी डॉक्टर व स्टॉफ से भी अभद्रता की। सूचना पर अस्पताल प्रबंधन के अधिकारी पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। जिन्होंने मामले को शांत कराया। दूसरी घटना धनपुरी क्षेत्र से दो दिन पहले पीलिया पीड़ित नवजात को एनएससीयू में भर्ती कराया गया था। परिजनों ने आरोप लगाया कि ड्यूटी में आने वाले डॉक्टर अलग-अलग तरीके से मर्ज बताते रहे और इलाज की बजाय रेफर की बात कहने लगे। इसी बात को लेकर हंगामा होने लगा। इस मामले में भी प्रबंधन को पुलिस की मदद लेनी पड़ी।

डॉ. नागेंद्र सिंह अधीक्षक मेडिकल कॉलेज ने कहा कि झगरहा से आए नवजात की हालत पहले से ही खराब थी। वेंटिलेटर में रखने के बाद भी सुधार नहीं हुआ। लापरवाही नहीं हुई है। इसके बाद भी परिजनों ने तोड़फोड़ की। दूसरे मामले में नवजात को पीलिया बढ़ा हुआ है। रेफर की बात उस समय की गई, जब परिजनों ने कहा कि यहां इलाज नहीं हो रहा तो हम ले जाते हैं। दोनों मामलों की शिकायत थाने में दर्ज कराई गई है।

वहीं, शिशु रोग विशेषज्ञ, डॉक्टर निशांत प्रभाकर का कहना है कि एसएनसीयू में सुरक्षा गार्ड की कमी है। प्रबंधन को कई बार लिखकर दिया जा चुका है कि यहां गार्ड की संख्या बढ़ाई जाए, लेकिन प्रबंधन ध्यान नहीं देता। अगर पर्याप्त संख्या में वार्ड होते तो शायद ऐसी घटना नहीं होती। आए दिन यहां विवाद की स्थिति उत्पन्न होती है। थाना प्रभारी सोहागपुर भूपेंद्र मणि पांडे से जब इस संबंध में बात की तो उन्होंने कहा कि दोनों मामलों की शिकायत आई है। मौत के बाद परिजन आक्रोशित थे तोड़फोड़ की गई है, लेकिन प्रबंधन ने एफआईआर नहीं कराई है। शिकायत पत्र आया है। जांच जारी है।

पपरेड़ी में चार ने नहीं भरा बिल बिजली काट दी पूरे गांव की

ब्यौहारी, देशबन्धु। ब्यौहारी के पपरेड़ी गांव में बोर्ड एग्जाम के समय बिना सूचना के बिजली काट दी गई। ग्रामीणों का आरोप है कि बिजली न आने से विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इतना ही नहीं बिजली के अभाव में खेतों में भी काफी असर पड़ा है। सिंचाई के लिए किसानों को पानी भी नहीं मिल पा रहा है। परेशान होकर ग्रामीण अब गांव की सड़क पर धरने में बैठ गए हैं।

ग्रामीणों ने बताया कि ब्यौहारी के पपरेड़ी गांव में तीन दिन पहले अचानक बिजली कट गई। गांव के लोगों को लगा कि कुछ दिक्कत की वजह से लाइट चली गई है, जल्द ही आ जाएगी। पूरी रात गुजर गई। तीन दिन होने के बाद ग्रामीणों ने जब बिजली विभाग के अधिकारियों से जानकारी ली तो विभाग ने बताया कि आपके गांव का कनेक्शन काट दिया गया है।

ग्रामीण अजय सिंह ने बताया कि जब गांव की बिजली तीन दिन से नहीं आई तो हमने बिजली विभाग के जेई रमेश यादव से संपर्क किया। उन्होंने बताया कि गांव के चार घरों का बिजली बिल बकाया है, जिसकी वजह से गांव का कनेक्शन काट दिया गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि गांव में लगभग 50 घर हैं। चार घरों का बिजली बिल अगर बकाया है तो गांव की बिजली विभाग ने क्यों काटी है। चार घरों के कारण पूरे गांव का बिजली विभाग ने कनेक्शन ही काट दिया है, जिससे अब एग्जाम दे रहे बोर्ड के छात्रों को एक बड़ी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है। ग्रामीण सुरेंद्र सिंह का कहना है कि बच्चों को लालटेन जलाकर पढ़ाई करनी पड़ रही है। कनेक्शन कटने की वजह से मोबाइल फोन भी चार्ज नहीं हो पा रहा है। अब बिना ओटीपी के राशन भी नहीं दिया जा रहा है।

आशीष सिंह ग्रामीण से जब हमने बात की तो उन्होंने कहा कि सिंचाई के लिए खेतों में पानी भी बिजली न होने से नहीं मिल पा रहा है, जिससे अब फसले भी सूख सकती हैं। चार घरों की गलतियां पूरा गांव झेल रहा है।नाराज ग्रामीणों ने गांव की सड़क पर ही बैठकर धरना दे दिया है। लोग का कहना है कि चार घरों की गलतियों की वजह से पूरे गांव में बिजली काट गई है। अब खेती किसानी के साथ छात्र-छात्राओं को पढ़ाई में भी दिक्कत हो रही है।

स्वैच्छिक संगठनों की प्रशिक्षण कार्यशाला

पन्ना,देशबन्धु। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की समृद्धि योजना अंतर्गत स्वयंसेवी संस्थाओं का जिला स्तर पर जिला पंचायत सभाकक्ष में अपर कलेक्टर नीलाम्बर मिश्र के मुख्य आतिथ्य में गत दिवस एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में जिले में विकास के क्षेत्र में कार्य कर रही संस्थाओ ने भाग लिया। इस अवसर पर जनअभियान परिषद के जिला समन्वयक आनन्द पाण्डेय ने स्वैच्छिक संगठनो को इस सार्वजनिक मंच के माध्यम से संवाद का अवसर प्रदान किया। इस दौरान संगठनों ने अपने कार्यक्षेत्र एवं चुनौतियों के साथ प्रशासन से अपेक्षायें विषय पर चर्चा की। प्रदान संस्था से कुंदन कुमार ने कार्यक्रम का संचालन किया। कार्यशाला में प्रत्येक तीन माह में न्यूनतम एक बैठक की आवश्यकता बतायी गई, जिससे सक्रिय कार्य को जिला स्तर पर साझा करने में मदद मिले। प्रशिक्षण के उपरांत सभी संस्थाओं को प्रमाण पत्र भी प्रदान किए गए।

उक्त कार्यशाला में सीएमओ शशिकपूर गढ़पाले सहित स्वैच्छिक संस्थाओं में समर्थन संस्था पन्ना, उन्नत शिखर संघर्ष समिति पन्ना, पृथ्वी ट्रस्ट, आधार संस्था, जन उत्थान एवं जागरूकता संघ बगरौड़, सविता जनकल्याण युवा मंडल एंड महिला विकास समिति, मानव सामाजिक उत्थान वेलफेयर सोसायटी, करुणामय अमृत जनकल्याण समिति, मानसी सेंटर फॉर ह्यूमैन रिसर्च एंड एनिशियेटिड, हस्तक्षेप वेलफेयर सोशल सोसाइटी, ज्ञानांजलि शिक्षा समिति, महिला रोजगार प्रशिक्षण एवं शिक्षण संस्थान, ज्योत्सना विकास एवं जनकल्याण समिति, समावेश संस्था, द लास्ट वाईल्डरनेस, कोशिका संस्था, साहस संस्था, धन विधा सामाजिक कल्याण समिति, दिव्य ग्रुप सामाजिक उत्थान समिति, समर्पित समाजसेवी संस्था, श्रीराम पथगमन बृहस्पति कुंड जनसेवा समिति, आदर्श कल्याण समिति, अरुणोदय संस्थान, स्वयंसिद्धा, रिलायंस फाउंडेशन, घनश्याम युवा मंडल, रमाश्री सामाजिक उत्थान समिति, उज्जवला संस्था, भीना कामदनाथ समिति, शैलजा सामाजिक शिक्षा समिति, शिवकीर्तन युवा मंडल, श्री साक्षी गोपाल सामाजिक संस्थान, शिवशक्ति विकास संस्थान, ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति सलेहा के प्रतिनिधि एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

रेत की बढ़ती कीमतों पर भाजपा नेता ने जताई चिंता, प्रशासन से कार्रवाई की मांग

उमरिया, देशबन्धु। निवर्तमान जिला भाजपा अध्यक्ष दिलीप पाण्डेय ने जिले में हो रही बेतहासा रेत की मूल्य वृद्धि में चिंता जाहिर की है। रेत के बिना पक्के निर्माण कार्य संभव नहीं हैं। उमरिया जिला खनिज संसाधनों से सम्पन्न जिला है। यहां से निकलने वाली रेत रीवा शहडोल मैहर सतना तक जाती है। जिले में रेत का व्यवसाय करने वाले ठेकेदार इस समय चांदी काट रहे हैं। ऐसा प्रतीत हो रहा है जैसे इनके लिए या इनके ऊपर कोई नियम कानून प्रभावी नहीं है। सब नियमों की धज्जियां उड़ाते हुए रेत ठेकेदार जिले के जन मानस की जेब में खुलेआम डाका डाल रहे हैं। दिन प्रतिदिन बढ़ता रेत का रेट आम जन के पक्के माकान के सपनों को चकनाचूर कर रहा है।गरीब आदमी की जेब रेत का रेट सुनकर ही दम तोड़ देती है। ग्रामीण क्षेत्रों में स्थिती और ज्यादा खराब है। जिस क्षेत्र से रेत निकाली जाती है, वहां के निवासियों से ज्ञात होता है कि एक ट्राली रेत पहले 1500 से 2000 रु तक मिल जाता था। वहीं अब एक ट्राली रेत की कीमत 5000 है, जो कि पहले के मूल्य से दुगने पर मिल रही है। ग्रामीणों ने बताया कि रेत ठेकेदार के कर्मचारी अपने मन मुताबिक रेत बढ़ा कर रेत बेच रहे हैं। ये

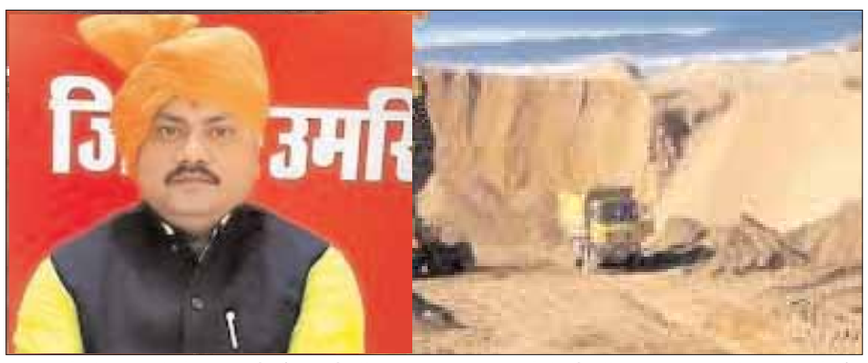

कारोबारी नियंत्रण विहीन हो चुके हैं। इनके नियंत्रक आंखों में पट्टी बांध कर आराम फरमा रहे हैं।

पांडेय ने कहा कि केंद्र की मोदी और प्रदेश की मोहन सरकार दृढ़ संकल्पित होकर गांव गरीब किसानों असहायों आवासहीनों के लिए कार्य कर रही है। जिसे कोई पूछता नहीं था ऐसे गरीबों को डबल इंजन की सरकार पूजती है। सब का अपना पक्का घर हो कोई बेघर न रहे सबका अपना आशियाना हो इसी दिव्य विचारों को दृष्टिगत करते हुए प्रधानमंत्री ग्रामीण आवास योजना लाई गई। यह योजना गरीबों के लिए वरदान साबित हो रही है। ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में आवास योजना के सकारात्मक परिणाम स्पष्ट दिख रहे हैं, किंतु अब जिले में आसमान छूती रेत की कीमत से आवास योजना के हितग्राही बुरी तरह प्रभावित है। रेत का मनमाना बढ़ता रेट जिले के हितग्राही मूलक योजनाओं पर कहर बनकर टूट रहा है। हितग्राहियों का कहना है कि पहले की अपेक्षा अब रेत तीन गुना ज्यादा रेट में मिल रही है। आवास योजना की एक किस्त केवल रेत के लिए होती है। ऐसे में हम आवास निर्माण पूरा नहीं कर पा रहे। उमरिया जिले के रेत कारोबारी सरकार की महत्वाकांक्षी आवास योजना हेतु अभिशाप बनते नजर आ रहे हैं। उमरिया जिले के ग्रामीण अंचलों में भ्रमण करने से ज्ञात होता है कि व्यक्तिगत रूप से कराए जा रहे निर्माण कार्यों, हितग्राही मूलक कार्यों और ग्राम पंचायतों में चल रहे निर्माण कार्य आसमान छूती रेत की कीमतों की मार से जूझ रहे हैं। जो अर्थिक रूप से कमजोर है किसी तरह से अपना आशियाना बना रहा है। उसकी जेब में बढ़ता रेत का बोझ प्रसाशन के नियंत्रण से बाहर होते रेत कारोबारी जिले में एक बड़ी समस्या बन चुके हैं।

ग्राम पंचायत सरपंच सचिव भी इस पीड़ा से पीड़ित हैं। ऐसे में प्रसाशन को चाहिये कि कारोबारियों पर शिकंजा कसे, ताकि आवास योजना जैसी सरकार की महत्वाकांक्षी योजनाएं समय सीमा में पूरी हों। क्योंकि बढ़ते आर्थिक बोझ के कारण योजना के हितग्राही कार्य में प्रगति ही नहीं दे पा रहे हैं। प्रसाशन को यह भी ध्यान देना होगा कि रेत का कारोबार करने वाली कंपनी अपने निर्धारित सीमा में रहकर ही बालू का विक्रय करें। मिली लीज के अंदर ही रेत का उत्खनन होना चाहिए।